No. of Printed Pages : 8

MBG–010

M. A. (BHAGAVADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2026

MBG-010 : BHAGAVADGITA : BHASHYA, TIKA, ANUVAAD PARAMPARA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) This question paper is in two Sections. Both the Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per the instructions given.

(iii) Write the answers in either Hindi ***or*** *Sanskrit* ***or*** *English.*

Section—A

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×15=60

1. Give the introduction of Śaṁkarācārya and describe his contribution related to the Bhagavadgītā.

2. Write an introduction of Madvācārya and Nimbārkācārya.

3. What have Nīlkaṇṭha and Śrīdharasvāmi contributed to the Bhagavadgītā ? Mention their beliefs related to the Gītā.

4. Describe the Gītā related works of Madhusūdana Sarasvatī.

5. How has the word 'māyā ' been explained in various ways in the tradition of translation ? Does this affect the analysis of the principles ? Write in your own words.

6. What work did Balagangadhar Tilak do related to the Gītā ? Describe.

7. Give the introduction of Jagadguru Rāmabhadrācārya and describe his works related to the Gītā.

Section—B

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×10=40

1. In brief, give an introduction of svāmi Rāmasukhdāsa and describe his works.

2. Write a note on the Gītā related perspective of Baladeva Vidyābhūṣaṇa.

3. Give the introduction of Dāmodarapāda Sātavalekara and describe his works, in brief.

4. Mention the Gītā related opinions of Rajagopalachari and Śri Aurobindo.

5. Give a short introduction of Svāmī Vivekānanda and describe his views related to the Gītā.
6. Mention the Gītā related views of Svāmī Prabhupāda.
7. What is the difference between the 'bhakti' based and the 'tattva' based commentaries of the Gītā ? Describe.

MBG–010

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.बी.जी.-010 : भगवद्गीता: भाष्य, टीका, अनुवाद परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

*(iii) हिन्दी **अथवा** संस्कृत **अथवा** अंग्रेजी में से किसी **एक** भाषा में उत्तर दीजिए।*

भाग—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. शंकराचार्य का परिचय देते हुए भगवद्गीता विषयक उनके योगदान का वर्णन कीजिए।
2. मध्वाचार्य और निंबार्काचार्य का परिचय लिखिए।
3. नीलकण्ठ और श्रीधरस्वामी ने भगवद्गीता के लिए क्या योगदान दिया? गीताविषयक उनकी मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।
4. मधुसूदन सरस्वती के गीता सम्बन्धी कार्यों का वर्णन कीजिए।
5. अनुवाद परम्परा में 'माया' शब्द को भिन्न-भिन्न रूपों में कैसे व्याख्यायित किया गया है ? क्या इससे तत्त्वमीमांसा प्रभावित होती है ? अपने शब्दों में लिखिए।
6. बालगंगाधर तिलक ने गीता के विषय में क्या कार्य किया? वर्णन कीजिए।

7. जगद्गुरु रामभद्राचार्य का परिचय देते हुए उनके गीताविषयक कार्यों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. स्वामी रामसुखदास का परिचय एवं कार्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. बलदेव विद्याभूषण के गीताविषयक दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिए।

3. दामोदरपाद सातवलेकर का परिचय एवं कार्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. राजगोपालाचारी और श्री अरविंद के गीताविषयक मतों का उल्लेख कीजिए।

5. स्वामी विवेकानन्द का संक्षिप्त परिचय देते हुए गीता सम्बन्धी उनकी मान्यताओं का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

6. स्वामी प्रभुपाद की गीताविषयक मान्यताओं का उल्लेख कीजिए।

7. गीता के 'भक्ति' आधारित एवं 'तत्त्व' आधारित भाष्यों में क्या भेद है ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×